राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर

[स्थापना वर्ष– 1823 ई0]

*****

निर्देशिका

*****

राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर

संदेश

*****

अनुशासन एक प्रकार का वह प्रशिक्षण है जो हमें निश्चित नियमों के अनुरूप आचरण करने के योग्य बनाता है।

शिक्षण संस्थान और शिक्षकों का सम्मान करें। शिक्षक अपने उत्तम ज्ञान से आपके बच्चों का बौद्धिक विकास कर अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं।

[डॉ.जी.पी.सिंह]
व्याख्याता–सह–शैक्षणिक प्रभारी
इंटरमीडिएट शिक्षा

[रेणु पंडित]
बिहार शिक्षा सेवा
प्र0प्राचार्य

दिनांक – 16 जून, 2018

सामान्य परिचय

*****

नाम	–	राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर
स्थापना वर्ष	–	1823 ई0
पूर्ण प्रस्वीकृति वर्ष	–	1837 ई0
विद्यालय की कोटि	–	राजकीय विद्यालय
प्रस्वीकृति प्रदाता[पूर्व]	–	यूनिवर्सिटी ऑफ़ पटना, बिहार
प्रस्वीकृति प्रदाता[वर्तमान]	–	शिक्षा विभाग, बिहार सरकार
शिक्षण का माध्यम	–	हिंदी
परीक्षा–संचालन	–	बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना
कुल क्षेत्रफल	–	08.08 एकड़ भूमि
कमरों की कुल संख्या	–	01 प्रशाल सहित 42 कमरे
खेल के मैदान की संख्या	–	02

विभिन्न स्तर की शिक्षण–व्यवस्था

1.	माध्यमिक शिक्षा	–	480 सीट
2.	इंटरमीडिएट शिक्षा	–	कला–256 सीट एवं विज्ञान–256 सीट
3.	व्यावसायिक शिक्षा	–	एलेक्ट्रोनिक्स टेक्नोलॉजी–25 सीट
4.	अध्ययन केंद्र, बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड	–	––सीट
5.	अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षण संस्थान	–	300 सीट

शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर सेवीवर्ग

प्राचार्य, नियमित और नियोजित उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की कुल संख्या	–	33
शिक्षकेत्तर सेवीवर्ग की कुल संख्या	–	12

पत्राचार का पता –

पत्रालय	–	खरमनचक
प्रखंड	–	जगदीशपुर
थाना	–	आदमपुर
जिला	–	भागलपुर
राज्य	–	बिहार
पिन	–	812001

ई–मेल – zilaschoolbgp@gmail.com

विद्यालय का इतिहास

****

अपने स्थापना वर्ष 1823 ई. से ही गौरवशाली इतिहास से आच्छादित चंपानगरी के हृदय–स्थल में अवस्थित राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर राज्य के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में पांक्तेय है।

यह विद्यालय महज एक शिक्षण संस्थान ही नहीं, मूल्यपरक शिक्षा का एक आदर्श निकेतन है, एक संपूर्ण जीवन–पद्धति है। यहाँ अध्ययन करनेवाले छात्र–छात्राओं को एकांगी शिक्षा का ज्ञान नहीं, अपितु प्रेम, करूणा, दया, त्याग आदि नैसर्गिक गुणों सहित सामाजिक सौहार्द्र, सद्भाव, विश्वबंधुत्व तथा सामाजिक समरसता आदि मानवीय मूल्यों से आच्छादित कर राष्ट्र का सौभाग्य बनाया जाता है।

सन् 1823 ई0 में ब्रिटिश हुकूमत में प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए रेशमी शहर, भागलपुर के हृदय–स्थल में 'जिला स्कूल, भागलपुर' नाम से एक विद्यालय की स्थापना हुई। लगभग 14 वर्षों तक लगातार गौरवपूर्ण शैक्षणिक रिकार्ड को देखते हुए सन् 1837 ई0 में इस शैक्षणिक संस्थान को पूर्ण प्रस्वीकृति प्रदान की गई तथा माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा प्रदान करने के लिए इसे उत्क्रमित किया गया। बाद के दिनों में माध्यमिक स्तर पर दैनिक उपयोग में आनेवाली वस्तुओं के निर्माण को कार्य अनुभव आधारित शिक्षा के अंतर्गत पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इसी समय शिक्षा और संस्कृति के आदान–प्रदान हेतु कार्य अनुभव आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, अमेरिका के ऑर्थर सी. नटसन–II 'चक' ने लगभग 10 वर्षों तक इस विद्यालय में अपनी सेवा प्रदान की। पाठ्यक्रम–विस्तार के साथ ही जिला स्कूल, भागलपुर का नामकरण बहुद्येशीय जिला स्कूल, भागलपुर हो गया।

सन् 1950 ई0 में भारत एक प्रभुत्वसंपन्न गणराज्य के अस्तित्व में आया। विद्यालय की गौरवपूर्ण शैक्षणिक विकास–यात्रा अब भारतीय शासन के अधीन थी। सन् 1986 ई0 में शिक्षा को रोजगार से जोड़ने के लिए 'नई शिक्षा नीति' के अंतर्गत विभिन्न स्तर के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में पर्याप्त संशोधन पर सहमति बनी। इसके अंतर्गत लगातार गुणात्मक परिणाम देनेवाले माध्यमिक विद्यालयों को उत्क्रमित कर उच्च माध्यमिक स्तर तक तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रम को लागू किया गया। इस उत्क्रमण के प्रभावी होते ही यह विद्यालय 'उच्चत्तर माध्यमिक जिला स्कूल, भागलपुर' के नाम से जाना जाने लगा।

शैक्षणिक गुणवत्ता को अक्षुण्ण रखने के परिणाम ने इस विद्यालय को 'मॉडल विद्यालय' के रूप में पहचान दिलाया और इसे 'आदर्श जिला स्कूल, भागलपुर' के नाम से प्रसिद्धि मिली।

संप्रति यह शैक्षणिक संस्थान वर्षों से अपने शैक्षणिक गुणवत्ता के गौरवशाली अतीत को अक्षुण्ण रखते हुए राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर के नाम से भागलपुर जिला के श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में पांक्तेय है।

इस विद्यालय में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण वर्गाध्यापन के साथ–साथ एन.सी.सी., बालचर [स्काउट एंड गाईड], खेल–कूद, वाद–विवाद, शैक्षणिक संगोष्ठी, व्याख्यानमाला, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि सहगामी शैक्षणिक क्रियाशीलनों के माध्यम से छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर में प्रतिभासंपन्न और समर्पित शिक्षकों को सम्मान देने की गौरवशाली परंपरा रही है। रेशमी शहर का यह प्राचीनतम शिक्षण संस्थान प्रतिभासंपन्न शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का हार्दिक अभिनंदन करता है तथा अपने श्रेष्ठ ज्ञान से छात्र–छात्राओं को अभिषिक्त कर राष्ट्र के लिए उत्तम मानव संसाधन तैयार करने के उनके संकल्प और समर्पण हेतु यथोचित सम्मान देकर एक नए मानक को स्थापित करता है एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

*****

विद्यालय प्रबंधन समिति

*****

विद्यालय की आधारभूत संरचना का परिवर्द्धन करने, छात्र–हित में लिए जानेवाले प्रस्तावों पर बैठक एवं विमर्श करने तथा शैक्षणिक विकास से संबंधित अन्य अनेक प्रस्तावों पर निर्णय लेने हेतु एक सक्षम एवं समर्थ विद्यालय प्रबंधन समिति पूर्व से ही इस संस्थान में गठित एवं प्रभावी है।

विद्यालय प्रबंधन समिति का संगठनात्मक स्वरूप

01	माननीय पदेन अध्यक्ष	जिला पदाधिकारी, भागलपुर
02	पदेन उपाध्यक्ष	जिला शिक्षा पदाधिकारी, भागलपुर
03	पदेन सचिव	विद्यालय के प्राचार्य
04	पदेन सदस्य	विद्यालय के शिक्षक प्रतिनिधि
05	सदस्य	शिक्षाविद्
06	सदस्य	स्थानीय विधायक
07	सदस्य	अनुसूचित जाति/जनजाति
08	सदस्य	अध्ययनरत छात्र का अभिभावक

छात्र–प्रतिज्ञा

*****

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई–बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है। हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे। हम अपने माता–पिता, शिक्षकों और गुरूजनों का सदा आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

जय हिन्द !

हमारा संकल्प

*****

तुम हमें अबोध दो : हम तुम्हें सुबोध देंगे

जीवन–संदेश

*****

जल, ज़मीन, जड़, जीव, जंतु, जंगल और जलवायु का सम्मान करें तथा आज ही अपने हिस्से के ऑक्सीजन के लिए पाँच वृक्ष अवश्य लगावें।

राष्ट्रगान

*****

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य–विधाता ।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग ।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे;
गाहे तव जय गाथा ।
जन–गण मंगलदायक जय हे,
भारत–भाग्य–विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

राष्ट्रगीत

*****

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार का संरचनात्मक स्वरूप

*****

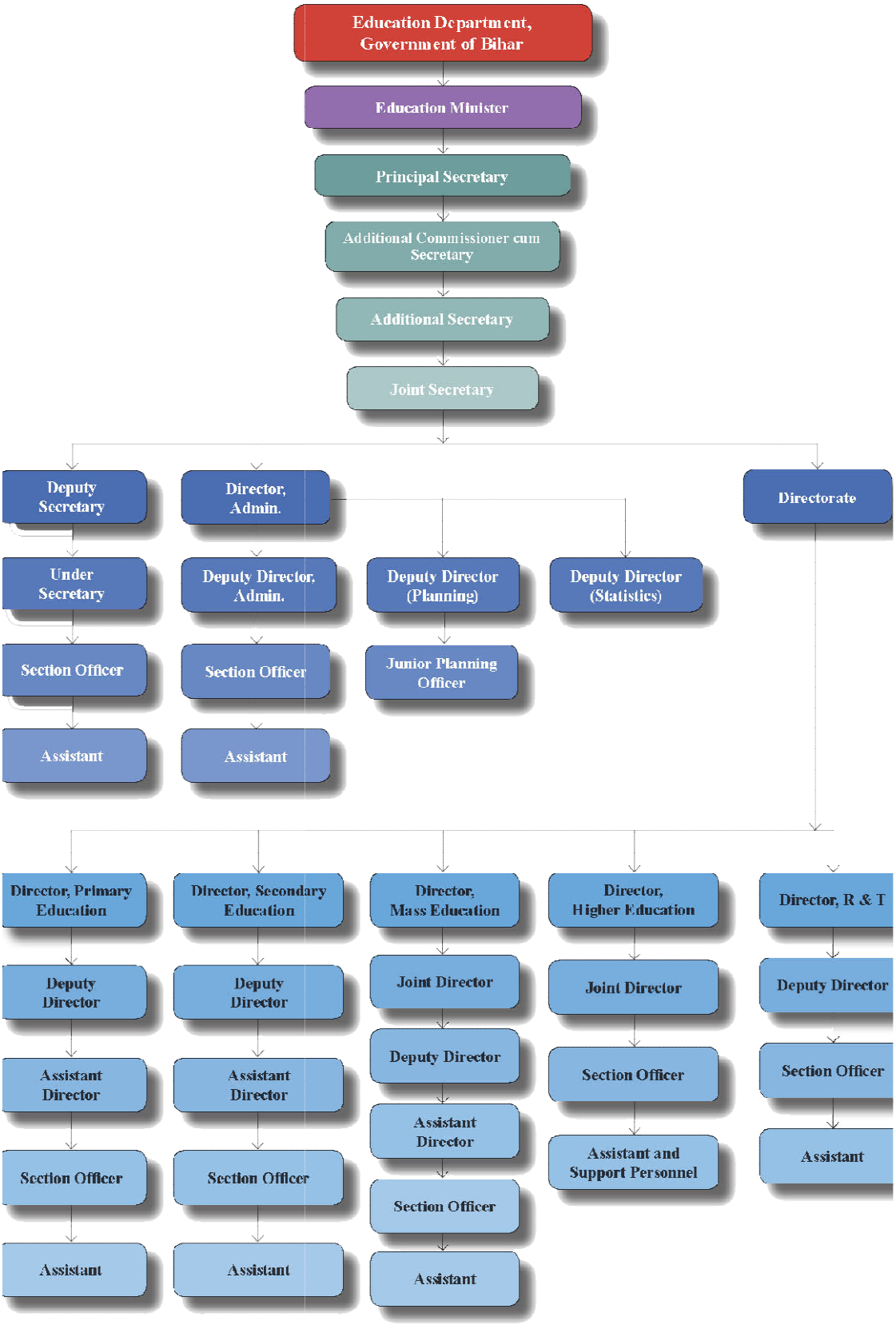

बिहार राज्य गीत

*****

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

बिहार राज्य प्रार्थना

*****

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

प्रमुख आकर्षण

*****

'शिक्षा' शब्द का सरल अर्थ 'सीखना' या 'सीख' है और सीख उसे कहते हैं जो जीवन को जीना सिखा दे। रेशमी शहर, भागलपुर के शिक्षण संस्थानों के मध्य एक धरोहर के रूप में गौरवान्वित राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर के शिक्षक, शिक्षिका एवं शिक्षकेत्तर सेवीवर्ग सद्ज्ञान, संवेदना और सेवा की त्रिवेणी से स्वयं को अभिषिक्त कर शिक्षार्थी के व्यक्तित्व को व्यापक और संवेदनशील बनाने के लिए सतत् प्रयत्नशील रहते हैं तथा जब भी कोई अवसर आता है तब उनके क्रियाशीलनों में सद्ज्ञान, संवेदना और सेवा स्वतः अभिव्यक्त होकर मूर्त्त हो उठती हैं।

विभिन्न स्तर की शिक्षण–व्यवस्था

6. माध्यमिक शिक्षा
7. इंटरमीडिएट शिक्षा
8. व्यावसायिक शिक्षा
9. अध्ययन केंद्र, बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना
10. अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षण संस्थान, नई दिल्ली

विज्ञान प्रयोगशाला

प्रयोगात्मक पद्धति से समझने और सीखने के अनुभव से शिक्षार्थी अपने मौजूदा विचारों में एक नए विचार जोड़ता है जो उसे नवाचारी [INNOVATOR]होने का अवसर प्रदान करता है। इस हैतुक इस संस्थान में तीन समृद्ध प्रयोगशालाओं के माध्यम से सुयोग्य शिक्षकों के कुशल निर्देशन में शिक्षार्थी को पाठ्यक्रमानुसार प्रयोग करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होता है।

1. भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला

2. रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

3. जीव विज्ञान प्रयोगशाला

कम्प्यूटर शिक्षा

सूचना प्रौद्योगिकी के युग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संकल्प को साकार करना कम्प्यूटर शिक्षा के बिना संभव नहीं है। अतः गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस संस्थान में 61 कम्प्यूटर के माध्यम से कम्प्यूटर शिक्षक के कुशल निर्देशन में सैद्धांतिक और व्यावहारिक वर्गों द्वारा शिक्षार्थियों को कम्प्यूटर साक्षर बनाने की दिशा में परिणामदायी प्रयास किया जाता है।

1. जिला कम्प्यूटर सोसायटी द्वारा संचालित – 50 कम्प्यूटर
2. शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा प्रदत्त – 11 कम्प्यूटर

पुस्तकालय

शिक्षण प्रणाली में गुणात्मक परिणाम देने के प्रयोजनार्थ नित नूतन प्रयोगों, अनुसंधानों, अन्वेषणों एवं सिद्धांतों को संज्ञान में रखकर पुस्तकों का संकलन और अनुरक्षण तथा शिक्षक और शिक्षार्थी में पुस्तकों के सतत् अध्ययन के प्रति सहज आकर्षण ही किसी पुस्तकालय को सार्थक बनाता है।

इस शिक्षण संस्थान में ब्रिटिशकालीन पुस्तकों, पाठ्यक्रम आधारित तथा अन्य अनेक पुस्तकों के संकलन से सुसज्जित तीन समृद्ध पुस्तकालय हैं जो ज्ञान–पिपासु शिक्षक और शिक्षार्थी के शैक्षिक स्तर को विकसित करने में समर्थ हैं।

छात्रावास

राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर में अध्ययनरत छात्रों के लिए विद्यालय सीमा क्षेत्र में 75 छात्रों के आवासन हेतु एक सुविधासंपन्न एवं सुरक्षित छात्रावास उपलब्ध है। सुदूर देहाती क्षेत्र के छात्रों को प्राथमिकता क्रम में रखते हुए वर्ग में नियमित उपस्थित रहनेवाले तथा पठन–पाठन में रूचि रखनेवाले छात्रों को छात्रावास में रहने की सुविधा प्रदान की जाती है।

खेलकूद

स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। अतः विद्यालयी शिक्षा में खेलकूद और व्यायाम को पाठ्यक्रम में शामिल कर अनुषंगी शिक्षा का स्थान दिया गया है।

बाल्यावस्था और किशोरावस्था में छात्र–छात्राओं में अतिरिक्त ऊर्जा होती है जिसे खेलकूद और व्यायाम के माध्यम से व्यय कराकर उनमें टीम भावना विकसित करने, पारस्परिक सहयोग में रूचि रखने, प्रतिपक्षी दल के प्रति सहिष्णु होकर स्वस्थ स्पर्धा करने आदि सकारात्मक पक्षों का विकास किया जाता है तथा उन्हें उत्तम मानव संसाधन तैयार कररराष्ट्र का सौभाग्य बनाया जाता है।

मानव के सर्वांगीण विकास में खेलकूद का महत्वपूर्ण स्थान है। अतः इस शिक्षण संस्थान में प्रशिक्षित एवं कुशल शारीरिक शिक्षा शिक्षक के निर्देशन में छात्रों को खेलकूद और सामूहिक व्यायाम का अभ्यास कराया जाता है।

एन0सी0सी0

राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति चैतन्य होने, अनुशासन का मूल्य समझने, सामाजिक सद्भाव स्थापित करने, विभिन्न अवसरों पर जन–गण में जागरूकता का संदेश देने तथा प्राकृतिक आपदा के क्षण में जानमाल के रक्षार्थ संवेदनशील होने जैसे गुणों के विकास में एन0सी0सी0 की भूमिका सराहनीय और अनुकरणीय है।
इस शिक्षण संस्थान में पूर्व में एन0सी0सी0 के तीन ट्रूप हुआ करते थे। प्रत्येक ट्रूप में कैडेट की संख्या 100 थी, किंतु एन0सी0सी0 के पदाधिकारियों की सेवानिवृत्ति के कारण वर्तमान समय में एन0सी0सी0 का सिर्फ एक ट्रूप क्रियाशील है जिसमें छात्रों की कुल संख्या 100 है।

बालचर

सेवा भावना से स्वयं को अभिषिक्त कर असहायों की सेवा करने, आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण के रक्षार्थ जन–जन को जागृत करने जैसे सामाजिक क्षेत्रों में गुणात्मक परिणाम देने के लिए बालचर की भूमिका प्रशंसनीय है।

इस शिक्षण संस्थान में 35 छात्र बालचर के सदस्य हैं जो विभिन्न सामाजिक अवसरों पर अपनी सेवा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

व्याख्यानमाला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए विभिन्न विषयों पर व्याख्यानमाला और परिचर्चा का आयोजन मानव के बौद्धिक विकास के दृष्टिकोण से श्रेष्ठ सह–शैक्षणिक क्रियाशीलन की कोटि में आता है।

राष्ट्रीय पर्वों, महापुरूषों की जयन्तियों, शिक्षक दिवस, बिहार दिवस, जनसंख्या शिक्षा, एड्स जागरूकता कार्यक्रम, विज्ञान मेला आदि अनेक अवसरों पर राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर में व्याख्यानमाला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र–छात्राओं के बौद्धिक विकास का संवर्द्धन किया जाता है।

छात्रवृत्ति, पुरस्कार एवं सम्मान

राज्य सरकार के मानकों के अनुरूप माध्यमिक परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाले छात्रों को पुरस्कारस्वरूप नगद राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त विद्यालय स्तर पर छात्र सहायता कोष से निर्धन–सह–मेधावी छात्रों को पठन–पाठन की सामग्री क्रय करने हेतु छात्र सहायता कोष नियमावली के आलोक में नगद राशि प्रदान कर सहायता की जाती है।

समय–समय पर अन्य सामाजिक एवं सहकारी संगठनों और संस्थाओं द्वारा सह–शैक्षणिक क्रियाशीलनों में उत्तम प्रदर्शन करने हेतु छात्रों को पुरस्कार, उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए जाते हैं।

अभिभावक संगोष्ठी

शिक्षा एक प्रकार का संस्कार है जो प्रकृति, माता–पिता, सामाजिक परिवेश, गुरू और ग्रंथ के माध्यम से सहज ही बच्चों के अंदर पल्लवित और पुष्पित होता है। सामूहिक सद्ज्ञान को पाकर पले–बढ़े बच्चे ही आगे चलकर एक प्रतिबद्ध नागरिक के रूप में राष्ट्र की दशा–दिशा तय करते हैं।

अतः इस शिक्षण संस्थान द्वारा समय–समय पर 'छात्र–शिक्षक–अभिभावक' बैठक आहूत की जाती है जिससे शिक्षा की त्रिआयामी पद्धति को ऊर्जा मिलती है तथा छात्र–शिक्षक–अभिभावक के बीच नैतिक प्रतिबद्धता अक्षुण्ण रहती है।

सामान्य निर्देश

*****

1. नामांकन आवेदन पत्र के साथ अष्टम, मैट्रिक या समकक्ष कक्षा का प्रमाण पत्र, विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र, प्रवेश पत्र, पंजीयन पत्रक, अंक पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र तथा आचरण प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करें।

2. नामांकन के समय पासपोर्ट आकार का दो रंगीन फोटो तथा सभी मूल प्रमाण पत्र साथ लावें।

3. बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना को छोड़कर किसी अन्य बोर्ड से उत्तीर्ण छात्र/छात्रा नामांकन के समय मूल प्रव्रजन प्रमाण पत्र [Migration Certificate]समर्पित करें।

4. नामांकन आवेदन पत्र में चयन किए गए विषय में बाद के दिनों में परिवर्त्तन नहीं किया जा सकेगा।

5. छात्र/छात्राओं द्वारा समर्पित नामांकन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण या ग़लत प्रवृष्टि के लिये विद्यालय प्रशासन उत्तरदायी नहीं होगा।

6. नामांकन में सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण के नियमों का पालन किया जाएगा। आरक्षण कोटि के अंतर्गत आवेदन करनेवाले छात्र/छात्राओं को आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र की सत्यापित छायाप्रति सलग्न करना आवश्यक है अन्यथा आरक्षण हेतु उनका दावा मान्य नहीं होगा।

7. छात्र/छात्राओं को सलाह दी जाती है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक [Secondary],उच्च माध्यमिक [Senior Secondary]एवं व्यावसायिक शिक्षा [Vocational Ed.]प्रभाग द्वारा पंजीयन [Registration], परीक्षा आदि के संबंध में दैनिक समाचार पत्रों में समय–समय पर प्रकाशित विज्ञप्ति तथा विद्यालय सूचना–पट्ट पर दी जानेवाली सूचनाओं का अवलोकन करते रहें। पंजीयन [Registration], परीक्षा आदि मामलों में छात्र/छात्राओं के स्तर से होनेवाले विलम्ब अथवा चूक के लिए विद्यालय प्रशासन उत्तरदायी नहीं होगा।

8. गणवेश– [माध्यमिक शिक्षा] – नेभी ब्लू पैंट, सफेद शर्ट, काले जूते एवं ब्लू मौजे।
[छात्रों के लिए]

[इंटरमीडिएट शिक्षा] – सफेद पैंट, सफेद शर्ट, काले जूते एवं सफेद मौजे।
[छात्रों के लिए]

– स्काई ब्लू कुर्त्ती, सफेद सलवार, सफेद दुटट्टा एवं उजले जूते
[छात्राओं के लिए]

9. संस्थान द्वारा निर्धारित गणवेश में नियमित रूप से वर्ग में उपस्थित होकर वर्गाध्यापन करना, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के तत्त्वावधान में संचालित 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन' तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के मानकों का पालन करते हुए 75 % उपस्थिति के लक्ष्य को प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

10. 75% उपस्थिति के लक्ष्य को प्राप्त नहीं करने की स्थिति में पंजीयन कराने, जाँच परीक्षा में सम्मिलित होने, बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षा–प्रपत्र भरने सहित राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं के लाभ के लिए कोई दावा मान्य नहीं होगा।

समय–सारणी

*****

जुलाई से मार्च – पूर्वाह्न 09:30 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक

अप्रैल से जून – पूर्वाह्न 06:30 बजे से पूर्वाह्न 11:45 बजे तक

विषय–चयन

*****

माध्यमिक शिक्षा

*****

नवम वर्ग के छात्र निम्नांकित विषय का चयन कर सकते हैं–

अनिवार्य विषय

1. हिंदी/उर्दू – 100 अंक
2. संस्कृत/राष्ट्रभाषा हिंदी – 100 अंक
3. अंग्रेजी – 100 अंक
4. सामान्य विज्ञान – 100 अंक
5. सामाजिक विज्ञान – 100 अंक
6. गणित – 100 अंक

ऐच्छिक विषय

1. उच्च गणित 2. अर्थशास्त्र 3. पर्सियन

इंटरमीडिएट शिक्षा

*****

विज्ञान संकाय के छात्र निम्नांकित विषय का चयन कर सकते हैं –

अनिवार्य विषय–[सभी छात्रों के लिए]

1. भाषा एवम् साहित्य–हिन्दी/अंग्रेजी –100 अंक।

2. क. – एन.आर.बी. हिन्दी –50 अंक।

ख. –वैकल्पिक अंग्रेजी/उर्दू/मैथिली –50 अंक।

अनिवार्य ऐच्छिक विषय–

1. भौतिक शास्त्र –100 अंक 2. रसायन शास्त्र –100 अंक 3. गणित –100 अंक या
4. जीव विज्ञान –100 अंक।

अतिरिक्त विषय –

1. कम्प्यूटर साईंस – 100 अंक या गणित – 100 अंक।

कला संकाय के छात्र निम्नांकित विषय का चयन कर सकते हैं–

अनिवार्य विषय–[सभी छात्रों के लिए]

1. भाषा एवम् साहित्य–हिन्दी/अंग्रेजी –100 अंक।

2. क. – एन.आर.बी. हिन्दी –50 अंक।

ख. –वैकल्पिक अंग्रेजी/उर्दू/मैथिली –50 अंक।

अनिवार्य ऐच्छिक विषय–

निम्नांकित में से किसी एक समूह [तीन विषय]का चयन किया जा सकता है –

समूह–क– इतिहास–100 अंक, राजनीति विज्ञान–100 अंक एवम् अर्थशास्त्र–100 अंक।

समूह–ख–इतिहास–100 अंक, राजनीति विज्ञान–100 अंक एवम् भूगोल–100 अंक।

समूह–ग – इतिहास–100 अंक,राजनीति विज्ञान–100 अंक एवं समाजशास्त्र–100 अंक।

अतिरिक्त विषय –

1. कम्प्यूटर साईंस – 100 अंक।

व्यावसायिक शिक्षा

*****

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत नामांकन के इच्छुक छात्र निम्नांकित ट्रेड का चयन कर सकते हैं–

1. एलेक्ट्रोनिक्स टेक्नोलॉजी

विशेष द्रष्टव्य –

1. व्यावसायिक शिक्षा उत्तीर्ण छात्र/छात्रा के लिए पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में 10% सीट पर नामांकन का प्रावधान।

2. बी0 ए0, बी0 कॉम0 एवं बी0 एस–सी0 [एलेक्ट्रोनिक्स ऑनर्स]में नामांकन का प्रावधान।

3. केन्द्र सरकार की एप्रेंटिस एक्ट – 1961 के अधीन एक वर्ष की एप्रेंटिस कोर्स का प्रावधान।

राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर

आवेदन पत्रसं. 001

फोटो

नवम/आई0 ए0/आई0 एस-सी0/व्यावसायिक शिक्षा में नामांकनहेतु

नामांकन सं.–
तिथि–

आवेदन पत्र

*

[01] छात्र का नाम [हिन्दी में] ——————————————————————

[02] छात्र का नाम [अंग्रेजी में] ——————————————————————

[03] पिता का नाम [हिन्दी में] ——————————————————————

[04] पिता का नाम [अंग्रेजी में] ——————————————————————

[05] माता का नाम [हिन्दी में] ——————————————————————

[06] माता का नाम [अंग्रेजी में] ——————————————————————

[07] जन्म–तिथि [अंकों में] ——————————————————————

[08] जन्म–तिथि [शब्दों में] ——————————————————————

[09] राष्ट्रीयता ——————————————————————

[10] लिंग – स्त्री / पुरूष / अन्य [किसी एक पर सही का निशान लगावें।]

[11] आरक्षण कोटि – अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अत्यंत पिछड़ा वर्ग/ अन्य [किसी एक पर सही का निशान लगावें।]

[12] स्थायी पता – ग्राम/मो——————————————————

पत्रालय ——————————————————

जिला ————————————पिन——————————

राज्य ——————————

[13] पत्राचार का पता –ग्राम/मोहल्ला——————————————————

पत्रालय——————————————————

जिला————————पिन ——————————दूरभाष——————

राज्य —————————— आधार संख्या ——————————

बैंक खाता संख्या————————————आई.एफ.एस.सी.कोड ——————

बैंक का नाम——————————————————

[14] अष्टम/मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा का विवरण––

कक्षा——————————

विद्यालय/बोर्ड का नाम ——————————————

रौल कोड————————रौल न0.——————————

पंजीयन सं0.——————————————वर्ष——————

विषय1————2————3————4————5————6————

ऐच्छिक/अतिरिक्त विषय————————————

[15] प्रवेश का वर्ग – नवम / आई0ए0 / आई0 एस-सी0 / व्यावसायिक शिक्षा

[16] शैक्षणिक सत्र – 20 –20

[17] चयनित विषय – 1————————————2.————————————3.————————————

4.———————————— 5.———————————— 6.————————————

7.————————————8.———————————— 9.————————————

10.————————————

अतिरिक्त विषय————————————

[18] <u>आवेदन पत्र में संलग्न किए गए प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति</u> –

1. अष्टम वर्ग का स्थानान्तरण प्रमाण पत्र
2. मैट्रिक या समकक्ष कक्षा का प्रमाण पत्र
3. विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र
4. प्रवेश पत्र
5. पंजीयन पत्रक
6. अंक पत्र
7. आचरण प्रमाण पत्र
8. जाति प्रमाण पत्र
9. आय प्रमाण पत्र
10. आवासीय प्रमाण पत्र
11. प्रव्रजन प्रमाण पत्र
12. आधार कार्ड
13. बैंक पासबुक

स्थान –

दिनांक–<u>छात्र का हस्ताक्षर</u>

नामांकन प्रभारी का हस्ताक्षर प्राचार्य का हस्ताक्षर एवम् मुहर

GOVT. INTERMEDIATE ZILA SCHOOL, BHAGALPUR

A PREMIER INSTITUTION OF SILK CITY

[ESTD. - 1823]

GLORIOUS RECORDS OF ACADEMIC EXCELLENCE

****

घोषणा पत्र

*****

एतद् द्वारा मैं घोषणा करता/करती हूँ कि नामांकन आवेदन पत्र में संलग्न सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की अभिप्रमाणित छायाप्रतियाँ सत्य व सही हैं। मैं संस्थान द्वारा विनिर्धारित गणवेश में नियमित रूप से वर्ग में उपस्थित होकर वर्गाध्यापन करूँगा/करूँगी तथा शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के तत्त्वावधान में संचालित 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन' तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के मानकों का पालन करते हुए 75 % उपस्थिति के लक्ष्य को प्राप्त करूँगा/करूँगी ।

यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि 75% उपस्थिति के लक्ष्य को प्राप्त नहीं करने की स्थिति में पंजीयन कराने, जाँच परीक्षा में सम्मिलित होने, बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए परीक्षा–प्रपत्र भरने सहित राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं के लाभ के लिए दावा नहीं करूँगा/करूँगी ।

छात्र/छात्रा का नाम ..... मोबाईल सं0. .....

वर्ग .....

उपवर्ग .....

क्रमांक .....

संकाय .....

सत्र .....

छात्र/छात्रा का हस्ताक्षर

माता/पिता/अभिभावक का हस्ताक्षर

प्राचार्य का हस्ताक्षर एवं मुहर

राजकीय इंटरमीडिएट जिला स्कूल, भागलपुर

नामांकन आवेदन की प्राप्ति रसीद

आवेदन पत्र सं.- 001

[छात्र का नाम] ——————————————————————का नामांकन आवेदन पत्र यथाचिह्नित प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियों के साथ दिनांक ——————————को प्राप्त किया।

प्राप्तकर्त्ता का हस्ताक्षर

विश्व में अधिकांश लोग इसलिए असफल हो जाते हैं क्योंकि समय पर उनमें साहस का संचार नहीं होता।

– स्वामी विवेकानन्द